‘‘क्या है संगीत का विज्ञान’’

संगीत का अपना विज्ञान है, क्योंकि ध्वनि ऊर्जा का रूप होती है और वह ध्वनि जो कानों को सुनने में मधुर लगे उसे संगीत कहते है।

जब कोई गायक अपने स्वर यंत्र (Vocal Card) से विभिन्न Pitch/Quality और प्रबलता की ध्वनियाँ संतुलित रूप से निकालता है तो विशेष प्रकार की जटिल ध्वनि का पैटर्न बनता है जो कानों को सुख का अनुभव कराता है यही संगीत है।

यदि कोई ध्वनि सुखद नहीं लगती तो वह ध्वनि शोर होता है

उत्कृष्ट गायक यह संगीत का विज्ञान जानते है सुबह के वक्त जब रियाज किया जाता है तो वातावरण प्रदूषण मुक्त होता है। धूल के कण भी नही होता और संगीत के माध्यम से ध्वनि ऊर्जा ब्रह्माण्ड में गूंज जाता है अनंत काल के लिए और यह ध्वनि यात्रा एक तरह से आध्यात्म की यात्रा होती है।